TERM II SAMPLE QUESTION 2021 – 22

Code No. 133

SUBJECT: TAMANG LANGUAGE

CLASS - X

Time: 2 Max. Marks: 40

		1 1
1	याकृत्राया मान्याने मित्राया क्या बाक्षीया बेर्या स्रेया स्रमान्याने हेर्	(2)
2	इं. ह्या.प्रेब.र. केट. ही.जीका. प्रथिता. इंप्रा.ड्रब. क्षेत्रव.डे	(2)
3	हें वें त्या में सिर्म, यादाचा कुदाया शुमाश्चर्या क्विंधोर्म, हेमा वें श्रे श्रुहाया श्रुवा?	(2)
4	र्डु: बार्ड्यायुःवीदादा केरवे: हेंग्या गुवा येग्या केवाव?	(3)
5	नव. श्रे.जा. हे.जा. क्रे.जा. क्रे.चा. हाव. ह्याची.जार. जाताता. ध्या. रव.व. ध.	(3)
6	बदानी र्ट्वें आदेवादे हो जूदा नी सा नी वाही हं आदी स्थादी स्यादी स्थादी स्यादी स्थादी	(4)
	(लाक्षा विली, विली, विली, विचान विचान (प्राची, र्याची, र्या विकास विली, प्राची, या	
	न शुला वैर्ने :-	
7	चै.म्। चै.म्।	(4)
	OR	
	" गुन्धुन्यः र्देयः हुः क्षे क्षेया डेंबर्-मुन्दः र्हे हैं निः स्यायः देश्वे कुटर्नः राषाः	
	मियावें " इं. में मिव का हेगा में मर यथा में केव वं? में कें में	
8	क्षेंचा क्केंका इव. क्रूटाचा क्केंकार्रा हैना समा साया? गरा गरायाका में वा	(5)
	বাজ্ :-	
	OR	
	बदाने र्डें अद्वर्देश्य दुषीद र्डिंदि वी बया ही र्डें की द्र क्रूदावये षावीव ही	
	यथे अप्रीतः हेम वे शे इत्सायः? वे में:÷	
	Letter Writing	
1	इराया बेथाहेवाया हैं। पेंर्क्य रंपारी क्षिबेया बेंव्या पेंर्क्यरी मेंरापारी	(5)
	इटाया द्वेसरे. र्हेहायदा वीगा विश्वाया शुंगा दीर्गि:÷	
	OR	
	र्यः स्थापा विराधित प्राधित विराधित वे स्थाधित वे स्थाधित के स्थाधित के स्थाधित स्थाधि	
	र्गें केन्द्र	
	Essay	

2	रे.रे. चेत्रप्तः विहेंपणे वेंगिरें हैंपः अत्यें येंगें÷	(5)
	गो र्शेव्या र्थिकंम्।।	
	ार्ये कुराया टेर्सिंहर - बीगा वेर्युा।	
	Translation	(5)
3	Gautam Buddha was born in a royal family in Lumbini. His name was Siddhartha Gautam. Since an early age, he was inclined towards meditation and spirituality. His father, the ruler of Lumbini, Even after being in a happy family with a loving wife and son, he left his royal kingdom in search of the truth. No one was able to satisfy him with knowledge. He then attained his enlightenment under a banyan tree in Bodh Gaya. He described the Noble Eightfold Path that everyone should follow to get rid of sorrow and unhappiness. He died in 483 BC but his preaching is found to be still relevant to this date.	